एचईसी

परिवार

गृह पत्रिका • नवम् अंक • नवम्बर 2013

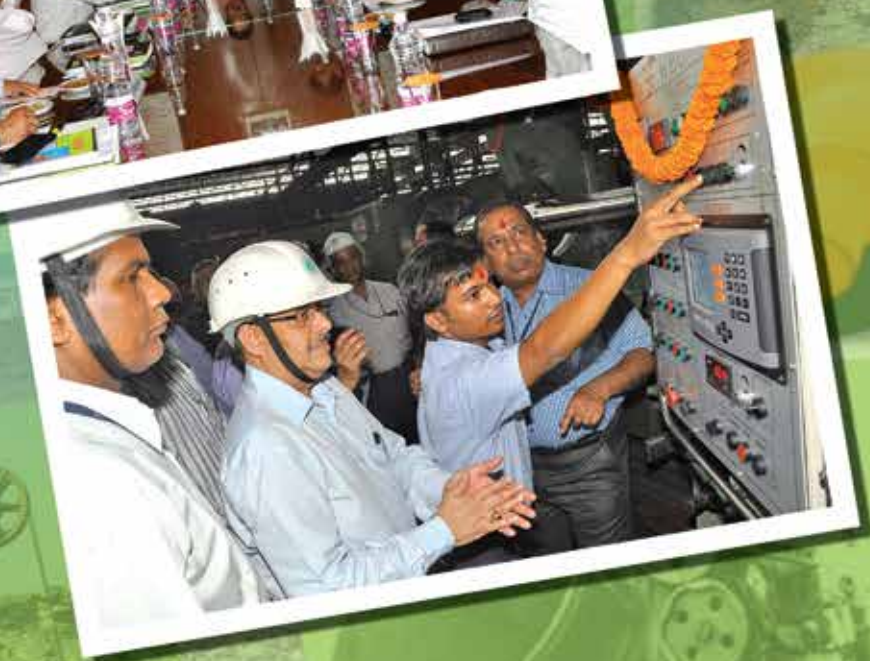

एच.ई.सी.
HEC
ISO 9001:2008

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

नव वित्तीय वर्ष 2013-14 के छः माह बीत चुके हैं और हमने बहुत कठिन दौर का सामना किया है। हमारा प्रदर्शन निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले इस दौरान अच्छा नहीं रहा है। इसके फलस्वरूप वेतन भुगतान अनियमित हो गया है। परेशानियाँ होती है, परंतु मैं आपके सहयोग के लिये आभार प्रकट करता हूँ।

दोस्तों, वर्ष 2012-13 में कंपनी ने 740.47 करोड़ रूपये की बिक्री कर 20.38 करोड़ रूपये का लाभ अर्जित किया जब कि विगत वर्ष 2011-12 में 725.23 करोड़ रूपये के उत्पादन कर 8.54 कारोड़ रूपये का लाभ अर्जित किया था। भारतीय अर्थ व्यवस्था में खासकर पूँजीगत माल के साथ - साथ आधाभूत संरचना के क्षेत्र में अद्योगामी रूख, निवेश लागत में वृद्धि तथा प्रतिकूल विनिमय दर अंतर के बावजूद कंपनी ने विगत वर्ष की तुलना में संतुलित बिक्री में 2.09 प्रतिशत की वृद्धि तथा शुद्ध लाभ में 138 प्रतिशत की अभिवृद्धि दर्ज की है। आप सभी को हार्दिक बधाई।

वर्ष 2012-13 में संयोगों, घटनाओं एवं परिणामों को देखें एवं प्रतिबिम्बित मंथन करें। नूतन वर्ष 2013-14 में विगत वर्ष की अच्छी चीज को निकालें और इसे आगे बढ़ायें तथा बुरी घटनाओं से सबक सीखें ताकि हम वर्ष 2013-14 में निगम को सुदृढ़ कर आकांक्षाओं के अनुरूप परिवर्तन कर सकें तथा मनचाही मुरादों को प्राप्त कर सकें

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि वर्ष 2012-13 के दौरान समस्त निर्माण उद्योग में विकास नकारात्मक रहा। हम भी इससे अछूते नहीं रहे फिर भी प्रसन्न होने की वजह है।हमने अपने निष्पादन को थोड़ी मजबूती प्रदान की है। हमें अपने आप को अग्रगामी बनाकर ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है और हमें मार्केट में हिस्सेदारी बनाये रखने के लिए हर संभव अवसर को तलाशना है।

भविष्य में हमारे लिए बहुत अवसर है। हमारी क्षमता, सपने को साकार करने के लिए है। बड़े सपने देखने के लिए है, जो हमें अलग पहचान बनाने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। यदि हम चाहें तो अवसर हमारे भाग्य के नियंत्रणाधीन होगा। हमारे भीतर बहुतायत अन्त : शक्ति है जो अभी भी अन्वेषणाधीन है और हमें इसका उपयोग बेहतर करना होगा। एक संगठन होने के नाते हमें सर्वश्रेष्ठता सिद्ध करने की आवश्यकता है और हम इसे सिद्ध करने में सक्षम हैं।

मित्रों हमें अपनी क्षमता के बारे में आशान्वित होना चाहिए। हमारी अपनी सीमाओं एवं क्षमताओं को चुनौती के रूप में लेना चाहिए, जो किसी भी प्रकार से कम नहीं है।'The will to win, the desire to succeed, the urge to reach your full potential..... These are the keys that will unlock the door to personal excellence' - इन्हें हमें हमेशा याद रखना चाहिए।

निगम का चक्र सन् 1958 से चल रहा है। हमारे पथ पर अनेकों बाधाए एवं रूकावटें आती रही है और दूर भी होती चली गई। हम आगे बढ़ते गये। परन्तु हमारे लिए यह घड़ी आत्म विश्लेषण की है कि कैसे हमारा भविष्य सुखद हो। मार्केट में मजबूत स्थिति बनाए रखने के लिए हमें अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समुचित कदम उठाने होंगे। यह हमारी आधारशिला को मजबूती प्रदान करेगा और मुझे पक्का विश्वास है इस प्रक्रिया से हम बुनियादी निर्माण कंपनियों में एक अविवादित अगुआ बने रहने में कामयाब होंगे।

एक बार पुनः एच.ई.सी. परिवार के प्रत्येक सदस्य को नव वित्तीय वर्ष में खुशहाली एवं समृद्धि के लिए शुभकामना देता हूँ। हम में से प्रत्येक को संतोष की अनुभूति हो रही है कि हमने कंपनी के विकास में योगदान दिया है। हो सकता है आपकी उपलब्धि के समय आपकी पीठ थपथपाने वाला कोई नहीं हो, परन्तु आप अपनी उपलब्धि पर संतोष की सांस ले सकते हैं। याद रहे सागर के लिए संभव नहीं है कि वह अपने सभी बूंदों के योगदान की गणना कर सके, परन्तु हर व्यक्ति जानता है कि जब ये सभी बूँदे एक साथ मिलती हैं तो सागर बनता है। हम में से प्रत्येक एक बूंद हैं और साथ मिलकर हम एच.ई.सी. सागर का निर्माण करते हैं। वह दिन बहुत दूर नहीं है, जब हम मिल-जुल कर अपना सर्वश्रेष्ठ निष्पादन करेंगे तो हमें मिनी रत्न की श्रेणी में आने से कोई नहीं रोक सकता।

इसी आशा और विश्वास के साथ,
सदैव आपका

(रामा बल्लभ मिश्रा)

सम्पादक मंडल...

हेमंत कुमार गुप्ता
प्रभारी
(ज.सं.वि.)

कमल देव सिंह
मुख्य औद्योगिक अभियन्ता

संगीता सिन्हा
वरीय प्रबंधक (का. एवं प्र.)

संजय सिन्हा
वरीय प्रबंधक (बिपण्ण)

शिबू जॉन
वरीय प्रबंधक (वित्त)

डॉ. उषा किरण सिन्हा
वरीय शिक्षिका

संजय कुमार सिंह
सहा. प्रबंधक (ज.सं.वि.)

लगातार 7वीं बार मुनाफा – एक सुनहरे भविष्य की ओर

निगम ने वर्ष 2012–13 के दौरान 740.47 करोड़ रू0 का कुल बिक्री कर 20.38 करोड़ रू0 का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया है। वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान कुल बिक्री 725.23 करोड़ रू0 एवं शुद्ध मुनाफा 8.54 करोड़ रू0 का था।

भारतीय अर्थ व्यवस्था में खासकर पूँजीगत माल के साथ–साथ आधार भूत संरचना में अधोमुखी रूख निवेष लागत में वृद्धि एवं विलोम विनिमय दर अन्तर के बावजूद कंपनी ने पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री मे 2% का संतुलित वृद्धि तथा शुद्ध लाभ में 138% की वृद्धि की।

सकल बिक्री एवं शुद्ध लाभ (2006–07 से 2012–13 तक)

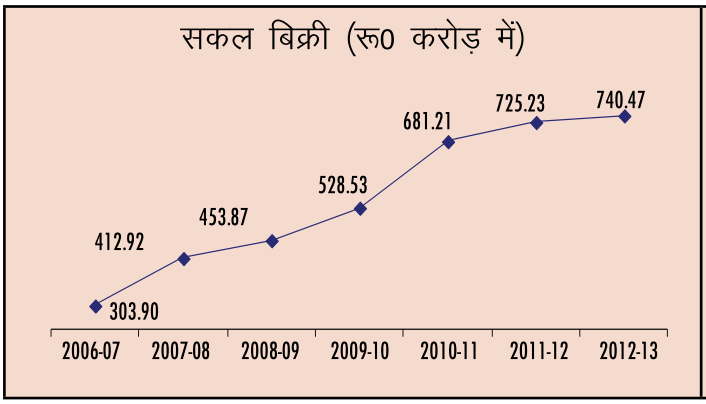

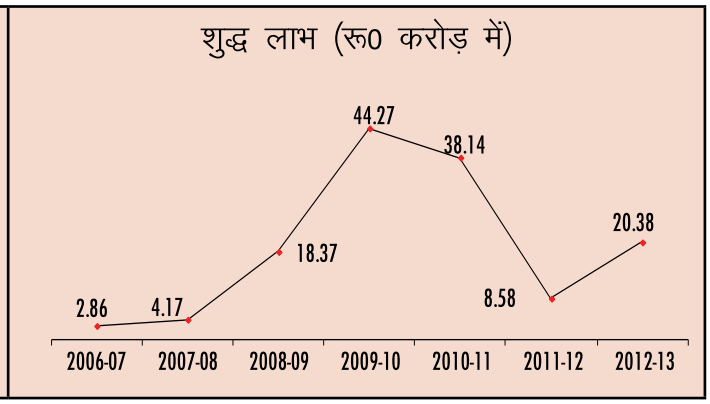

विगत कुछ वर्षों के दौरान अर्थ व्यवस्था की मंदगति ने कार्यादेश को प्रभावित किया है। इसके बावजूद, कंपनी वर्ष 2012–13 के दौरान 266.06 करोड़ रू0. मूल्य के नये कार्यादेश प्राप्त करने में समर्थ हो पाया। ग्राहकों की ओर से टेंडर स्थगन को अंतिम रूप देने में विलंब के कारण कार्यादेश में कमी आई है। अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता के कारण 01.04.2013 को कंपनी के पास 1505 करोड़ रू0 के कार्यादेश उपलब्ध है।

2013–14 की बजटीय योजना

एच.ई.सी. ने वर्ष 2013–14 के लिए भारी उद्योग विभाग के साथ निम्नलिखित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए औपचारिक समझौता (एम.ओ.यू.) किया हैः–

- 2013–14 वर्ष का बिक्री लक्ष्य 1001 करोड़ रू0
- शुद्ध लाभ का लक्ष्य 40.71 करोड़ रू0

Processing Molten Metal at FFP - Way forward to a finished product.

राज्यपाल, झारखण्ड से शिष्टाचार मुलाकात

श्री आर0 मिश्र, अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक, एच.ई.सी. ने झारखण्ड के राज्यपाल महामहिम डा0 सैयद अहमद से उनके कार्यालय में मुलाकात की। श्री मिश्र ने उन्हें एच.ई.सी. की तरफ से बधाई और शुभकामनायें दी। महामहिम राज्यपाल ने एच.ई.सी. के बारे में उत्सुक्तापूर्वक जानकारी प्राप्त की एवं आशा प्रकट किया कि एच.ई.सी. भविष्य में सफलता के नए–नए आयामों को प्राप्त करेगा। श्री मिश्र ने राज्यपाल महोदय को एच.ई.सी. के विभिन्न प्लांटो के भ्रमण का न्योता भी दिया।

ई.एस.आई. निगम–जागरूकता कार्यक्रम

निगम की इकाई फाउण्ड्री फोर्ज प्लान्ट के कार्मिक एवं प्रशासन विभाग द्वारा ठेकेदारों एवं उनके कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चर्चा का विषय ''कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के तहत् लाभकारी सुविधाओं एवं पहचान कार्ड का महत्व'' था। श्री एस.के. सक्सेना, महाप्रबंधक ने ई.एस.आई. के विषय विशेषज्ञों का स्वागत किया। कार्यक्रम का उदघाटन श्री शुभ्रा बनर्जी, निदेशक कार्मिक, एच.ई.सी. द्वारा किया गया। उन्होंने सभी ठेका कर्मचारियों को ई.एस.आई. सुविधाओं का समुचित लाभ पाने के लिए विषय विशेषज्ञों से वैचारिक आदान–प्रदान करने का आग्रह किया।

ई.एस.आई. के तरफ से डॉ एस.के. मुर्मु– राज्य मेडिकल कमिशनर, डॉ संजय कुमार, डिप्टी–डाईरेक्टर नेपाल हाउस, श्री ए.के. पॉल, डिप्टी–डाईरेक्टर, श्री निशान्त कुमार, डिप्टी–डाईरेक्टर, सुश्री पूनम बाला असिस्टेन्ट डाईरेक्टर, डॉ कामेश्वर प्रसाद साह एवं डॉ समीर कुमार, ई.एस.आई मॉडल अस्पताल, नामकुम ने ई.एस.आई. के विभिन्न लाभकारी सुविधाओं एवं कार्यक्रम के बारे में सचित्र जानकारी प्रदान की। ठेका कामगारों ने अपनी समस्याओं के समाधान के विषय में भी उक्त अधिकारियों के साथ विचार–विमर्श किया एवम् लाभान्वित हुए।

"The Function of Leadership is to Produce more leaders, Not more Followers _ Ralph Nader

Disciplinary Enquiries and Proceedings: An Interaction

"The aim of natural justice is to secure justice or to put it negatively,to prevent miscarriage of justice. These rules operate only in the areas not covered by any law validly made. In other words they do not supplant the law but supplement it" said Sri Ravindra Verma, CVO, HEC.

Sri Verma made a presentation on Disciplinary Enquiries and Proceedings in March 2013 at Hqrs Auditorium which was attended by Sri Kushal Saha,Director (Prodn.),Sri S. Banerjee,Director (Pers.),Sri A.V. Krishna,Director (Mktg.) and officers of P&A,Finance & T.A. Division of HEC Ltd. Stress was given by Sri Verma to ensure principles of natural justice,reasonable opportunity to the employees, timely completion of disciplinary proceedings,careful application of mind by Disciplinary Authorities/Enquiry Officers and awarding of punishment commensurate with the offence of employees. It was suggested to have a panel of officers who may be appointed as IO/PO and their regular training to ensure proper handling of disciplinary proceedings. The Disciplinary Authorities were suggested to issue speaking orders.

Talk on Supply Chain Management: A HR initiative

"Supply chain Management is the strategic management of activities involved in the acquisition and conversion of materials to finished products delivered to the customer.It is the system by which organizations source,make and deliver their products or services according to market demand.Supply chain management operations and decisions are ultimately triggered by demand signals at the ultimate consumer level. Supply chain as defined by experienced practitioners extends from suppliers suppliers to customers" said Commander Pradeep Prasad. Sri Prasad was addressing a select gathering of Sr Officers of HEC in the Hqrs auditorium on 31st May 2013.

Sri Prasad was born and brought up in HEC Colony. An IIT,Kharagpur alumni in Metallurgy (1985),Sri Prasad served Indian Navy for 21 years and has expertise in handling large and Complex IT Projects & logistics across the Indian Navy. Sri Prasad has also served as Joint Director (Procurement),Naval Hqrs., New Delhi apart from various other posts in Logistic Department,Strategic Force Command etc. In Indian Navy. He has also done course in Defence Services Staff College, Wellington and a number of projects from various Institutes in USA/UK.

Sharing his past & present experiences Sri Prasad pointed out about the various factors of this vital life line of any organization and emphasized upon to take care of MATERIAL, INFORMATION & FINANCIAL FLOW of the Organization. He further suggested a few Important points to be kept in mind while looking after this aspect like - Segment customers based on service needs, Modifying the supply chain to meet these service requirements profitably,Customize the logistics network,Developing forecasts collaboratively involving every link of the supply chain and Locating the leverage point where the product is unalterably configured to meet a single requirement etc.

He is presently working as Programme Manager,Business Compliance,Supply Chain and Asset Management in IBM and his responsibilities include end to end Supply Chain Management including material management,procurement,compliance with various laws and regulations etc. Earlier, Sri Prasad was introduced by Sri Ravindra Verma,CVO/HEC. Sri Subhra Banerjee, Director(P), A V Krishna,Director(Mktg), SK Pattnayak,Director(Finance) & other Sr officers were present.

"Every Great achievement is the Story of a Flaming Heart" - Harry Truman

प्रदूषन रहित आधुनिकीकरण

फाउन्ड्री फोर्ज प्लांट के मशीनों का आधुनिकीकरण आज के संदर्भ में एच.ई.सी. जैसे मातृ उद्योग के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। एफ.एफ.पी. में लगी अधिकांश मशीनें लगभग 45 वर्ष पुरानी है और इनमें से कुछ तो आज के परिप्रेक्ष्य में अनुपयोगी हो गई है। यही कारण है कि टीम एफ.एफ.पी. ने अपनी मशीनों के आधुनिकीकरण के लिए मजबूती से अपने कदम बढ़ाये हैं जिससे निकट भविष्य में निश्चय ही उत्पादन का स्तर ऊपर उठेगा और हम अधिकाधिक लाभ की स्थिति में होंगे।

आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में 02 कर्मशाला (स्टील मेल्टिंग शॉप) में तैयार होने वाले Casting के लिए Simulation Casting Software की स्थापना करना हमारा पहला कदम है। इसकी स्थापना से हमारे पास एक सशक्त माध्यम होगा जिससे हम Moulds Filling Solidification और Cooling की प्रक्रिया का निरीक्षण कर सकेंगे और Castings में व्याप्त इसके अंदरुनी कममिबज (यथा & Shrinkage, Porosity, Sand inclusion आदि) की स्थिति का आकलन/अनुमान कर सकेंगे। इसकी सहायता से हम वर्तमान में तैयार हो रहे Castings की खामियों को दूर कर सकेगें और उन्नत किस्म की Casting का निमार्ण भी बिना किसी झंझट या माथा–पच्ची के करने मे सफल होंगे। इस तरह हमारा Rejection level बिल्कुल निम्नतम स्तर पर होगा और उत्पादन का ग्राफ अपनी बुलंदी पर होगा।

02 फाउन्ड्री में 10TPH क्षमता वाले Sand Reclamation Plant की स्थापना करना आधुनिकीकरण का हमारा दूसरा कदम है जिससे कार्य निष्पादन क्षेत्र की उपलब्धता निश्चित समयावधि में अधिक हो जाएगी। फलतः हमारा उत्पादन 20 से 30% स्वतः बढ़ जाएगा। Waste sand के 80% हिस्से को फिर से काम में लाने लायक बनाया जा सकेगा जो backing sand की तरह नेम होगा और इस तरह से sand की खपत बहुत कम हो जाएगी और हमारा उत्पादन लागत काफी कम हो जाएगा।

आधुनिकीकरण का तीसरा कदम 03 फोर्ज कर्मशाला के Heating Furnace में पड़ा है। जिसमें Producer Gas Fired Furnaces को LPG Fired Furnace में बदले जाने की प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। 2650 टन प्रेस के आधुनिकीकरण के पश्चात् Forged उत्पाद में आई वृद्धि के कारण ऐसा करना आवश्यक हो गया है। Forging के पूर्व उत्पाद के समुचित Heating और इसके Heating Cycle को कम करने हेतु यह बदलाव जरुरी है क्योंकि LPG से Consist और Effective Heating सुनिश्चित किया जा सकेगा। वर्तमान में विभिन्न कारणों से Producer Gas के Pressure मे Fluctuation होते रहने के कारण Heating Cycle पर नियंत्रण रख पाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। इस तरह LPG Fired Furnace आ जाने से Forged उत्पाद में अत्याधिक वृद्धि हो जाएगी।

Waste Water Management के तहत CETP (Combined Effluent Treatment Plant) का लगाया जाना आधुनिकीकरण की दिशा में उठाया गया एक सशक्त कदम है जहाँ विभिन्न श्रोतों से निकले हुए गंदे पानी (Waste Water) को वैज्ञानिक विधि से विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजार कर प्रदूषण मुक्त किया जायगा। जिसका उपयोग प्लांट में मशीनों के Make up water के रुप में किया जा सकेगा। इस प्लांट के लग जाने से एफ.एफ.पी. में पानी की खपत कम होगी तथा नदी में जाने वाला पानी हर प्रकार के प्रदूषण से मुक्त होगा।

An Overview of Widely Spread Conveyor Gallery of CHP at Nigahi, Northern Coalfield Ltd.

श्री एस.के. पटनायक, हमारे नवनियुक्त निदेशक (वित्त)

श्री एस.के. पटनायक ने एच.ई.सी. में निदेशक (वित्त) के पद पर 20 मार्च, 2013 को योगदान दिया। कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यग्रहण के पूर्व श्री पटनायक विकल्प इंधन हेतु इंडियन रेलवे ऑर्गेनाइजेशन, रेल मंत्रालय के तहत वित्तीय परामर्शदाता एवं मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में उत्तरी रेलवे मे कार्यरत थे।

श्री एस.के. पटनायक का जन्म 30 नवम्बर 1963 हो हुआ, इन्होने भारतीय खनिक विद्यापीठ, धनबाद से वर्ष 1985 में अप्लायड ज्यूलोजी में एम.एस.सी. (टेक) की डिग्री प्राप्त की एवं वर्ष 2005 में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से मास्टर इन पब्लिक मैनेजमेंट की उपाधि ग्रहण की।

श्री एस.के. पटनायक, ने विभिन्न संगठनों में विभिन्न पदों पर अपनी सेवा प्रदान की। वर्ष 1989 में समवर्गी सिविल सेवा में योगदान के पूर्व इन्होंने ओ.एन.जी.सी. में 1986–89 तक तथा वर्ष 1985–86 में नेशनल कांउसिल फॉर सीमेंट एण्ड वेल्डिंग मैटेरियल्स, नई दिल्ली में कार्य किया।

अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2011 तक वह उड़िसा हाइड्रो पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, भुवनेश्वर में निदेशक (वित्त) थे तथा अगस्त 1991 से जुलाई, 2008 तक इस्ट कोस्ट रेलवे (ई.सी.ओ.आर.), भुवनेश्वर में कार्यरत थे।

उन्होंने विकास कौशल प्रशिक्षण एवं गृह तकनीक के उपयोग के द्वारा कार्यालयीन स्वचालन/कम्प्यूटरीकरण में उल्लेखनीय योगदान दिया जिससे संभागीय स्थापना में उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि हुई, फलस्वरूप वर्ष 1999 में भारतीय रेल ने उन्हें रेलवे मिनिस्टर अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। उन्हें व्यय प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए साउथ इस्टर्न रेलवे में 1996 में जेनरल मैनेजर अवार्ड प्राप्त हुआ। उनको शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में सफल संचालन एवं उल्लेखनीय निष्पादन के लिए रेलवे स्टाफ कॉलेज ने 1991 में बेस्ट प्रोबेशनर का खिताब प्रदान किया। वर्ष 1988 एवं 1989 में ऑयल एण्ड नैचुरल गैस कमिशन ने रिकॉर्ड टाइम में जियोलोजिकल स्ट्रकचर से संबंधित ऑयल/गैस मैपिंग को पूरा करने के लिए मेघा पुरस्कार प्रदान किया।

उन्होंने 24 (चौबीस) वर्ष तक सिविल सर्विस एक्जीक्यूटिव का कार्य किया। कोचिंग एवं परामर्शी सेवा द्वारा रणनीतिक योजना एवं प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, आई.टी. ऑपरेशन, प्रोजेक्ट, मैनेजमेंट, नई प्रौद्योगिकी क्रियान्वयन, प्रक्रिया सुधार, टीम मैनेजमेंट एवं क्षमता विकास के क्षेत्र में इनका लम्बा अनुभव रहा है। इनका पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप (पी.पी.पी.) मॉडल के द्वारा बुनियादी संरचना एवं विकास में अनुभव रहा है। साथ ही नगर परिवहन योजना तथा लोक परिवहन से संबंधित मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एम.आर.टी.), इलेक्ट्रोनिक रोड प्राइसिंग (ई.आर.पी.) में ट्रांसपोर्ट प्राइसिंग का भी अनुभव रहा है। इनके पास भारतीय रेल के संचालन, सामग्री प्रबंधन (वित्त) तथा मानव संसाधन विकास समेत अन्य प्रकार की अच्छी जानकारी है। इन्हें प्रतिनियुक्ति पर स्टेट पावर सेक्टर में कार्य करने का भी अनुभव है, जिसमें शामिल है–वित्त एवं मानव संसाधन समेत हाइड्रो एवं थरमल पावर डेवलपमेंट ऑपरेशन मैनेजमेंट।

A view of Chhatak Cement Plant in Bangladesh executed by HEC- an export initiative

Wagon Tippler Product at RSP, Rourkela

जय माँ सरस्वती!

एच0ई0सी0 कन्या उच्च विद्यालय – सेक्टर–3

एच0ई0सी0 के शिक्षा विभाग का इतिहास स्थापना से आज तक के सफर में सदैव सराहनीय और सफल रहा है। चाहे वह परीक्षाफल हो या अन्य गतिविधियां – हमारे स्कूलों का उद्देश्य सिर्फ शिक्षा से जुड़ना ही नहीं समाज से भी जुड़ना है। इसी क्रम में एच0ई0सी0 कन्या उच्च विद्यालय सेक्टर–3 में दिनांक 15.02.2013 को सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सभी नगरवासी सहर्ष आमन्त्रित थे।

Active Participation of HEC in IIF-Ranchi

Annual General Meeting of The Institute of Indian Foundrymen, Ranchi Chapter was held at the lush green lawn of Hotel BNR Chanakya,Ranchi on the evening of 22.06.2013. A workshop on 'Energy Efficient Melting Practices in Foundry & Steel Sector' was also conducted by ABP Induction, Vadodara.

Sri R. Misra,CMD,HEC Ranchi was kind enough to spare time from his busy schedule and grace the occasion by being the chief guest of the function. The Guest of Honour was Mr Subrata Mitra, Director,M.N.Dastur & Company. Also present on the dais were two special guests from Kolkata- Mr S. Chandra,Chairman and Mr A.K. Ray, Hon. Treasurer of IIF,Eastern region. Dr K.K.Singh, Chairman of IIF,Ranchi chapter welcomed the dignitaries and all the members of IIF whole heartedly. Dr Ghanshyam Das,Hon. Secretary of IIF, Ranchi chapter presented the report on the activities conducted during 2012-13 and Mr D.P.Singh,Hon. Treasurer put across the audited account of the fiscal 2012-13. Many prominent personalities including Mr. K. Saha, Director Production, Mr A.V.Krishna,Director Marketing and Mr S.K.Patnaik, Director Finance of HEC Ltd graced the event with their presence. The Scroll of Honour was conferred on Mr S.K.Saxena, GM/FFP for his outstanding contributions to IIF, Ranchi Chapter. The show was anchored by Mr Yashpal, SDGM/FFP. The meeting was followed by a sumptuous dinner. Over all, the program was a grand success.

HMTP Exports First Time to Bangladesh Railway.

In the history of Heavy Engineering Corporation Limited,Ranchi the Heavy Machine Tool Plant Unit has dispatched on 6th July'13 its 1st Shipment to Bangladesh Railway after flagging off ceremony by CMD,HEC,Sri R. Misra on 5th July at 5.30 PM. Sri Kushal Saha, Director (Production), Sri A. V. Krishna Director (Marketing) and General Managers from other units were present on the occasion.

This 1st prestigious export order for supply of equipments & machinery for Modernisation of Saidpur Railway Workshop was awarded by Bangladesh Railway to Heavy Machine Tool Plant in June 2012 at a stiff competition from Germany and China.

By delivery of the 1st phase of consignment,HMTP Unit has achieved a distinction to ship its consignment much ahead of the delivery schedule of the Contract i.e. 23rd September 2013. The last phase of consignment is expected to be dispatched in August 2013.

CMD, Sri R. Misra has congratulated the HMTP Unit for this unique achievement and encouraged the gathering of employees to continue such excellence in future as well.

एच.ई.सी. में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

निगम की तीनों इकाईयों में (एफ.एफ.पी., एच.एम.बी.पी. एवं एच.एम.टी.पी.) राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस एवं सप्ताह का आयोजन 04 मार्च, 2013 से किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 04 मार्च के अवसर पर प्लांटों के प्रमुख ने झण्डोत्तोलन करने के पश्चात् कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच सुरक्षा का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस वर्ष 1966 के 4 मार्च को भारत सरकार के श्रमिक मंत्रालय रोजगार द्वारा कौंसिल की स्थापना हुई थी एवम् सेफटी मूवमेंट प्रारंभ हुआ और 4 मार्च 1972 को सर्वप्रथम राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का झण्डा लहराया। यह झण्डा असुरक्षा पर सुरक्षा की विजय की प्रतीक है।

उपरोक्त प्रसंग के आलोक में एफ.एफ.पी. के महाप्रबंधक, श्री एस0के0 सक्सेना ने अपने संदेश में सभी कर्मचारियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। यह दिवस सुरक्षा और पर्यावरण के बचाव के महत्व को भी याद दिलाता है। किसी दुर्घटना से न केवल कारखाने के कार्य में नुकसान है बल्कि अपने जीवन के हर क्षेत्र में सुरक्षा एवं संरक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे कारखानो में 25 प्रकार की सुरक्षा सामग्रियाँ एवं उपकरण उपलब्ध है जो यहां हर तरह से सुरक्षा प्रदान कर सकने में सक्षम है। दुर्घटना निवारण ही उत्पादन एवं उत्पादक का मूल–मंत्र है जो कि कारखाने में काम करने वाले सहकर्मियों को सुरक्षित कार्यप्रणाली, अच्छे स्वास्थ्य एवं स्वच्छ पर्यावरण में हीं निहित है।

एच.एम.बी.पी. के महाप्रबंधक, श्री अरूण कुमार ने राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर अपने शुभ संदेश में सभी उपस्थित कामगार, सुपरवाइजर एवं अधिकारियों का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए कहा कि यह दिन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के गठन की याद में, उद्योगों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को सुरक्षा भावना जागृत करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह याद दिलाता है कि हम सभी अधिक से अधिक उत्पादन करने के साथ–साथ अपने स्वास्थ् एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें तथा यह सुनिश्चित करें कि कार्यस्थल से सुरक्षित एवं सकुशल वापस हो सकें। आज के दौड़ में सुरक्षात्मक कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा से संबंधित उपकरण अवश्य व्यवहार में लाना चाहिए ताकि दुर्घटना से बचा जा सके। पर्यावरण संतुलन के बनाये रखने में हमारी नैतिक जिम्मेवारी को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पानी तथा खाने में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एच.ई.सी. के तीसरी इकाई एच.एम.टी.पी. के महाप्रबंधक, श्री जी0सी0 सिन्हा ने प्रोत्साहित करते हुए उपस्थित सहकर्मियों के बीच अपने अभिभाषण में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का उद्देश्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति लोगों को सचेत एवं जागरूक बनाना है ताकि कल–कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके। साथ हीं, सरकारी और गैर सरकारी उद्योगों में, सुरक्षा एवं स्वास्थ् संबंधी प्रावधानों का समुचित अनुपालन किया जा सके, जिससे उद्याोगों में होने वाली दुर्घटनाओं एवं बीमारियों, विकलांगता, मृत्यु, स्वास्थ्य एवं सम्पति की क्षति ना हो। एक बार पुनः संकल्प को याद दिलाते हुए सुरक्षा के प्रति समर्पित करते हुए सुरक्षा के उपायों का पालन करना एवं सचेष्ट रहते हुए निष्ठापूर्वक कार्य को आगे बढ़ाना है।

इसी अवसर पर सुरक्षा सप्ताह के संदर्भ में सुरक्षा विभाग एवं अग्निशमन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन एवं उनके विषय में जानकारी भी प्रदान की गई।

"The ods are with us if we keep on trying" - Keith De Green

A Flagship Product of HMTP - Heavy Duty Centre Lathe Machine supplied to FGK, Kanpur

Heavy Machine Tool Plant, a unit of Heavy Engineering Corporation Limited designed and manufactured a Heavy Duty Centre Lathe machine for supply to Field Gun Factory, Kanpur. This machine was been inspected by FGK engineers from 15.05.2013 to 21.05.2013. The PDI team witnessed the trial machining on trial component of Gun Barrel supplied by FGK,Kanpur and they were highly satisfied with the quality and performance of the machine.

HMTP had bagged the order for 3 nos., of the machines in Dec. 2011. This work order was received against tender from Ordnance Factory Board under global competion from MCM Italy and PTG England.

FKG Kanpur has a plan to finish 200 nos. of the Gun Barrel of T72 tank per year on these machines.

The machine has been designed for machining maximum barrel dia. of 1000 mm and maximum barrel length of 11000 mm. and can take-up the maximum weight of 70000 Kg. It has a very powerful motor of 71 kW to rough machine the black forged barrel to finish the barrel with precision.

HEC महिला समिति (हस्बेन्ड नाईट)

पति–पत्नी का रिश्ता एक पूर्ण समर्पण का रिश्ता है। यहां प्यार, विश्वास और सहयोग फलीभूत होता है। एक दूसरे के लिये हम जीते हैं और मरते हैं। हमारी दुनिया इन्ही से शुरू होती है और इन्ही पे खत्म होती है।

एच.ई.सी. महिला समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष ''हस्बेन्ड नाईट'' का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में सारे सपने, अपनी भावनायें, प्यार और अनुभूतियों की माला पिरोकर, इसे मनोरंजक बनाने का प्रयास किया जाता है।

इस साल भी महिला समिति द्वारा बड़े उमंग और उत्साह से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री आर0 मिश्र, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

महिला समिति की संरक्षिका **''श्रीमती मिनाक्षी मिश्रा''** के मार्ग दर्शन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण सराहनीय था। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती शोभा सिंह के स्वागत भाषण से हुआ।

दीप प्रज्जवलन, नृत्य, हास्य नाटिका, गित, कविता, तरह–तरह के गेम और पतियों के भावनात्मक गाने से सराबोर हो सुस्वादिष्ट भोजन का आनंद सबने उठाया।

महिला समिति की संरक्षिका श्रीमती मिनाक्षी मिश्रा और अध्यक्षा श्रीमती शिखा साहा जी का हर कदम पर पूर्ण सहयोग रहा।

Imparting Training to Young Professionals

A group of 44 students from Jharkhand Rai University, Ranchi along with 4 faculty members visited HEC on 21st February 2013. Mr. Ramji, Senior Manager (Administration and H.R) gave an introductory lecture and briefed about the plant,products and safety needed inside the plant. Safety Manager also described in detail about the safety rules, safety precautions and does and don'ts inside the premises. For students it had been a very enriching experience for having first hand information about heavy engineering product and production plant.

44th CISF Raising Day

"On the occasion of CISF Day,I urge all Members of the Force to re-affirm their resolve to take the CISF to greater heights of achievement and glory. I also extend my warm greetings and best wishes to all CISF Officers,men and their family members" said Sri R Misra,CMD/HEC. Sri Misra was attending CISF Raising Day Function as Chief Guest on 10th March 2013.

As we are aware, Central Industrial Security Force came into existence in the year 1969 with a strength of 3000 to provide an Integrated Security cover to Public Sector Undertakings, went on to become the youngest Armed Force of the Union in 1983 and today it is the largest Industrial Security force with 1,25000 Officers and Men. As protectors of industrial wealth of more than one lakh crore rupees,the Force is deployed in more than 300 PSUs in various Industrial Sectors such as Oil,Petro-Chemical,Power,Steel,Space,Atomic Energy etc. In addition to its primary function of Industrial Security,the CISF,as an Armed Force of the Union,is performing Internal Security duties in disturbed areas and election duties.

Now,CISF stands forth as one of the most dynamic police / paramilitary organizations in the country. It has emerged from the shadows of being a purely industrial security agency entrusted with such vital national tasks as protection of airports, Delhi Metro,vital Government buildings in Delhi,heritage buildings like Taj Mehal and Red Fort among others. While we are already providing security to several VIPs,this Special Services Group has within a short period,since its inception,made remarkable progress in its training and preparedness. Similarly,we have been playing a leading role in the area of Disaster Management drawing overwhelming appreciation from all quarters. CISF is also providing consultancy to Government and private sector establishments.

Morning Shows the Day !

Priyank Kumar

S/o Mr. Santosh Kumar
Sr. DGM HMTP
Scored - 91% Marks in ICSE(10th Class)

Ravi Kumar Choudhary

Jharkhand State Rank - 09
CBSE Medical,2013
S/o Brij Mohan Choudhary
Jr. Manager, P.N. - 81710,
D.N. - 1901
04 Shop Crank Shaff Section FFP

"A good leader takes a litter more than his share of the blame, a little less than his share of the Credit" - Arnol H. Glasgow

गणतंत्रता दिवस 2013

64वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हमारे अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री आर मिश्रा ने उपस्थित जन समूह को संबोधित किया।

''26 जनवरी हमारे इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है। 26 जनवरी 1950 को भारतवर्ष एक सम्पूर्ण प्रभुत्व संम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित हुआ था। '' – आर मिश्रा

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत में औद्योगिक उत्पादन नाममात्र का था, लेकिन आज उसी भारत ने इतनी औद्योगिक प्रगति कर ली है कि विकासशील देशों की गणना में उसका नाम अग्रिम पंक्ति में है। इस परिवर्तन में, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों का बहुत बड़ा योगदान है।

श्री मिश्रा ने कार्य कुशलता में थोड़ी सावधानी बरतने और संसाधनों के उपयोग पर ध्यान देने की आवश्याकता पर बल दिया। श्री मिश्रा ने पुनः निगम को मिनी रत्न की श्रेणी में लाने का निश्चय दुहराया।

सिमटते परिवार

सिमटते जा रहे हैं सब परिवार
अपनी ही दुनिया में रहते हैं ये परिवार
मम्मी पापा और उनके एक या दो बच्चे
बस इतने ही लोग लगते हैं इनको अच्छे
अब तो बहुत कम घरों में दिखती है दादी और नानी
तो बच्चे अब भला किससे सुने कहानी
दो दिन के लिए आया हुआ मेहमान हो जाता है भारी
क्योंकि उनके लिए करनी पड़ती है अलग से तैयारी
पहले छुट्टियों में आती थी मौसी बुआ और ताई
घरों में खुब बनती थी मढरी और मिठाई
अब छुट्टियाँ पहाड़ों पर मनती है
मौसी बुआ और चाची सब Online मिलती है
आज हम बच्चों को अपने जमाने की बाते बताते हैं
तो वे आँखे फाड़े आश्चर्य दिखाते हैं
आज के बच्चों का साथी है TV और Computer
नई पीढ़ी की बस इसी ओर है डगर
जिस संयुक्त परिवार के लिए हमारा देश था मशहूर
उसी से हम सब होते जा रहे हैं दूर
हमें ही करना होगा इसे सुधारने का प्रयास
सभी रिश्ते आस पास हो तो परिवार बनता है खास

Shalini Verma
W/o Mr. Santosh Kumar
Sr DGM HMTP

प्रकृति और आधुनिक इन्सान

शिव की नगरी उजड़ गई है मानव के कारनामों से
रोते हैं भगवान धरा पर आधुनिक इन्सानों से!

फूल कहीं नदियाँ कहीं झीलें ऊँचा दिया पहाड़
विस्तृत सागर बतलाती है दुनिया का विस्तार

ईश्वर ने दुनिया को दी है अनगिनत उपहारें
जीवन सुखी रहे सबका भगवान भी यहाँ पधारें

मानव जब खिलवाड़ करे इन नीधियों-वरदानों से
रोते हैं भगवान धरा पर आधुनिक इन्सानों से!

फूलों की घाटी में होती रहती है विस्फोटें
बात-बात पर तन जाती है बारूदी बन्दूकें

वन-जीवों का छिना घरौंदा आतंकी जंगल में
हार गए खग भोले पक्षी मानव से दंगल में

छेड़-छाड़ से दहली फिजाएँ खुदगर्जी नादानों से
रोते है भगवान धरा पर आधुनिक इन्सानों से!

भूल गए हम बहती कैसे शीतल मंद बचार
रिश्ते-नाते छूट गए छूटा आपस का प्यार

धवल चाँदनी में नौका पर कैसे गाएँ मल्हार
भूल गए कंगनों की खन-खन पायल की झन्कार

भोला पन अब रहा नहीं क्यों घिर गए हम हैवानों से
रोते हैं भगवान धरा पर आधुनिक इन्सानों से!

चिड़िया का कलख सुनना कोयल की मीठी तान
झरनों के गीतों से जीवन भूल गया इन्सान

फैला तेल महासागर में जल-जीवन बर्बाद
जल-दस्यु आतंक मचाते यह कैसा अवसाद

हिंसा की आपा-धापी में जग दहला हैवानों से
रोते हैं भगवान धरा पर आधुनिक इन्सानों से!

हुई खुदाई बार-बार हैं पर्वत भी हैरान
छलनी हुआ कलेजा उनका रही नहीं वह शान

पर्वत राज की आँखों में आँसू हुआ हाल बेहाल
लुटी सम्पदा वृक्षों की तस्कर हैं माला-माल

कैसे बचेगी यह दुनिया इन नासमझ इन्सानों से
रोते हैं भगवान यहाँ पर आधुनिक इन्सानों से!

बदरी नाथ केदार नाथ में हुआ प्रलय क्यों बोलो
अपनी गलती पर पछताकर खुद अपने को तौलो

कचड़ा मत फेकों तीर्थों में करो ईश्वर को याद
घाटी को सुन्दर रहने दो करो नहीं बर्बाद

घाटी फिजाएँ पर्वत नदियाँ सब सहमें इन्सानों से
रोते हैं भगवान धरा पर आधुनिक इन्सानों से!

डा॰ उषा किरण सिन्हा
PN- 81431
सी.पी.एफ॰ सेक्शन मुख्यालय
राँची- 4

प्रारंभ

हमने दृढ़ संकल्प
और पूरे हौसले के
साथ यह यात्रा शुरू
की है। हमारी सफर चाहे
जितनी लम्बी हो, हम अपनी मंजिल
अवश्य प्राप्त करेंगे।

-पं0 जवाहरलाल नेहरू

(नवम्बर 15, 1963 को एच0ई0सी0 को
राष्ट्र के प्रति समर्पित करते हुए)

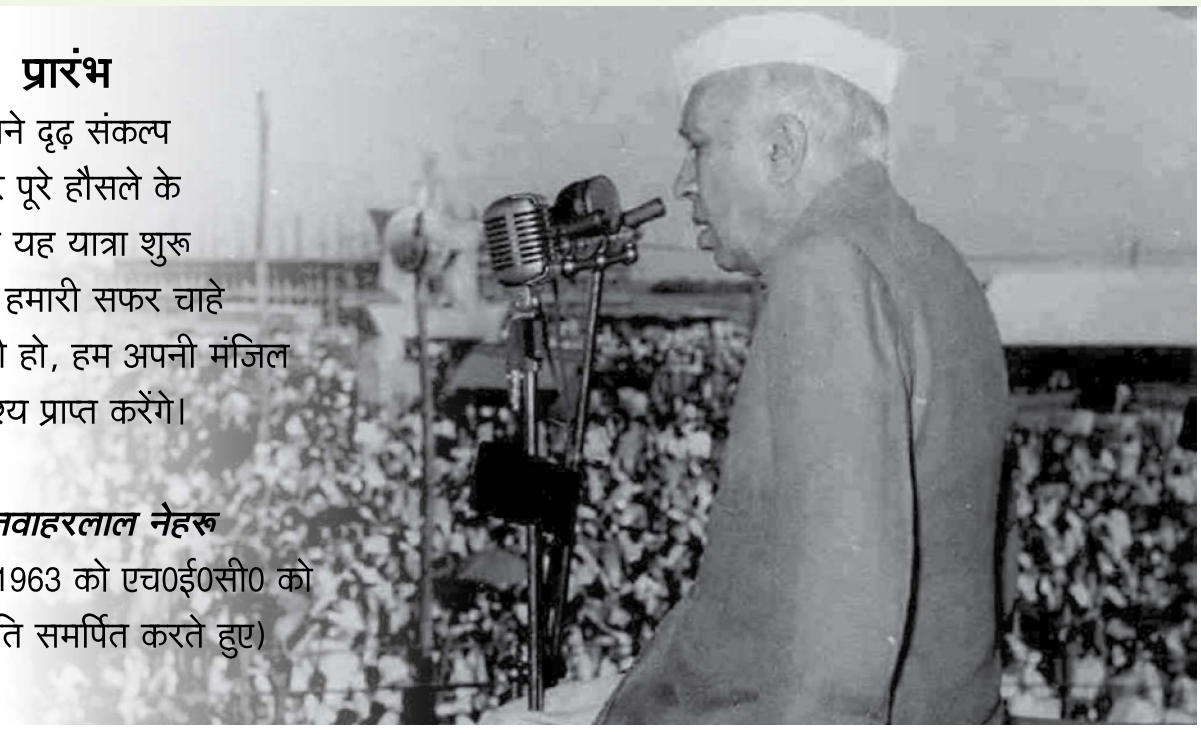

"This one Step - Choosing a goal and Sticking to it - Changes every thing" - Scott Reed

Glimpses

Farewell to Shri M.S. Kalra, Sr. Commandent-CISF

Shri K.D. Diwan, CMD, HCL visied HEC on 5th July, 2013. (During his visit, he met Shri R. Misra, CMD HEC and discussed about various matters.)

S.G. Sridhar, Chairman, HMT (I) Ltd. visited HEC on 8th March, 2013

DMT Germany delegation visited on February, 2013

IAS Probationers (Jharkhand Cadet) visited HEC on 6th July, 2013

CMD in Bridgeford School on 11th June, 2013

XISS students visited HEC on 1st March, 2013

"You must begin to think of yourself as becoming the person you want to be" - David Wiscott

Congratulation!

Shri Mithlesh Kumar's photograph has been selected for exhibition in Art Gallery of Sarojendra Deb Raikat Kala Kendra at Jalpaiguri, West Bengal under the competition" PHOTOMANIA 2013". It is an International Exhibition cum competition on "Wildlife"/ "Nature" Photography.

Down the memory lane!

Picture shows the First Annual General Meeting in progress at New Delhi: (From left to right) Shri S. S. Kumar, Director; Shri T. A. S. Balakrishnan, I.A.S., Member; Shri K. B. Rao, Director; Shri A. B. Ganguli, I.C.S., Director; Dr. B. D. Kalelkar, Director; Dr. A. Nagaraja Rao, Chairman; Shri S. P. Dhawan, Asstt. Administrative Officer; Shri S. Ranganthan, I.C.S., Member; Shri K. V. Venkatachalam, Member; Shri B. N. Sinha, I.A.S., Director; Shri S. S. Gopalakrishnan, Financial Adviser & Chief Accounts Officer and Shri R. T. Sinha, I.A.S., Secretary

HEAVY ENGINEERING CORPORATION LIMITED

NOTICE

Notice is hereby given that the First Annual General Meeting of the Members of Heavy Engineering Corporation Ltd., will be held in Room No. 126-E, Udyog Bhavan, New Delhi on Tuesday the 28th June, 1960 at 4 P.M. to transact the following business.

"To receive and adopt the Directors' Report and the Balance Sheet along with Auditors' Report for the year ended the 31st March, 1960."

R. T. Sinha
Secretary

Ranchi
10th June, 1960.

A view of the temporary godowns under construction at Hatia

"Knowing where you are going is all you need to get their" - Carl Fredrick

एच. ई. सी.

HEC – Vision of a Great Visionary

With the initiative of First Prime Minister of India Pandit Jawaharlal Nehru, Heavy Engineering Corporation Ltd. was set up in the year 1958 primarily to facilitate manufacturing Steel Plant equipments so that the country is able to enhance its Steel Producing capacity.

HEC, Ranchi is the largest Integrated Engineering Complex of India

Major Areas :

- EOT Cranes
- Steel Plant Equipments
- Shovels, Draglines Equipments for Mining Sector
- Bulk Material Handling Projects
- Coal Washeries

HEAVY ENGINEERING CORPORATION LIMITED
Plant Plaza Road, P.O. Dhurwa, Ranchi-834004 (Jharkhand)
Website : www.hecltd.com